सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 192 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 19 अगस्त, 2025

मूल्य ₹ 3/-

स्त्री और पुरुष जन्म से ही स्वतंत्र हैं। इसलिए दोनों को सभी अधिकार समान रूप से भोगने का अवसर प्रदान होना चाहिए।

-ज्योतिबा फुले

चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम... 2 | मप्र कांग्रेस में थमा नहीं... 3 | भाजपा को भगाना व सत्ता... 7

विपक्ष के दांव में फंसी बीजेपी

उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया गठबंधन ने उतारा उम्मीदवार, सीपी राधाकृष्णन को चुनौती देंगे सुदर्शन रेड्डी

» कांग्रेस ने उपराष्ट्रपति चुनाव को बनाया दिलचस्प

» सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज रेड्डी के नाम का कांग्रेस अध्यक्ष ने किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उप–राष्ट्रपति चुनाव अब सिर्फ़ एक चुनाव नहीं बल्कि दो विचारधाराओं दो सियासी रास्तों और दो अलग-अलग शख्सियतों का टकराव बन कर उभरा है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी सुदर्शन रेड्डी को इंडिया गठबंधन ने अपना उपराष्ट्रपति पद पर उम्मीदवार घोषित कर चुनाव को दिलचस्प मोड़ पर खड़ा कर दिया है। जिस समय एनडीए घटक दलों की बैठक में सीपी राधाकृष्णन को सांसदों से मिलवाया जा रहा था ठीक उसी समय कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने एलान कर एनडीए की सांसों को थाम दिया।

दरअस्ल सीपी राधाकृष्णन के उम्मीदवारी के बाद ऐसा लग रहा था कि इंडिया गठबधंन में फूंट हो जाएगी और क्षेत्रवाद के चलते वोटों में सेंध लग सकती है। लेकिन कांग्रेस ने सधा हुआ दांव चलते हुए न सिर्फ गठबंधन की एकता को रोकने में सफलता आर्जित की बल्कि एक एनडीए के सामने एक जबर्दस्त चुनौती भी पेश कर दी है। अब यह सिर्फ़ एक चुनाव नहीं बल्कि दो विचारधाराओं दो सियासी रास्तों और दो अलग अलग शख्सियतों का टकराव बन कर उभरा है।

गोवा के पहले लोकायुक्त रह चुके हैं बी सुदर्शन रेड्डी

बी सुदर्शन रेड्डी का ताल्लुक आंध्रप्रदेश से हैं और उनका अधिवक्ता से शुरू हुआ सफर उच्च न्यायालय के जज तक पहुँचा। वह गोवा के पहले लोकायुक्त भी रहे और उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ़ कई एहम और संजीदा फैसले दिये। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी सुदर्शन रेड्डी क़ानून और संविधान की दुनिया के माहिर माने जाते हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में कई अहम फ़ैसले दिए और न्यायपालिका में अपनी साफ़-सुथरी छवि बनाई। इण्डिया गठबंधन का यह दांव बेहद सोचा समझा है। एक जज को मैदान में उतारकर विपक्ष ने यह संदेश दिया है कि यह लड़ाई सिर्फ सियासी नहीं बल्कि संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की जंग है।

सीपी राधाकृष्णन हैं सेफ कार्ड

तमिलनाडु के दिग्गज नेता, आरएसएस की परवरिश में पले-बढ़े और राजनीति के हर मोर्चे पर बीजेपी के लिए वफ़ादार सिपाही साबित हुए। सीपी राधाकृष्णन का नाम उपराष्ट्रपति के लिए सामने आते ही दक्षिण भारत में भाजपा की पकड़ मज़बूत करने की मंशा साफ़ नज़र आने लगी। वह 1998 और 1999 में कोयंबटूर से बीजेपी सांसद रह चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी के क़रीबी माने जाते हैं और संगठनात्मक पकड़ में उनका कोई सानी नहीं। यह उम्मीदवार भाजपा और संघ का सेफ़ कार्ड कहा जा सकता है।

बिखरा लग रहा था विपक्ष

इंडिया गठबंधन इस वक्त बिखरा हुआ लग रहा था लेकिन बी सुदर्शन रेडडी के उम्मीदवारी ने विपक्ष को एक नैरेटिव दे दिया है। विपक्ष लगातार यह कह रहा है कि भाजपा न्यायपालिका पर दबाव डालती रही है। एक पूर्व जज को मैदान में उतारकर विपक्ष ने यह संदेश भी दे दिया है कि कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संविधान-न्यायपालिका-जनता एकजुट हैं। बीजेपी जानती है कि उनके पास जीत के लिए पर्याप्त संख्या है। लेकिन उनके सामने चुनौती यह है कि विपक्ष का यह नैरेटिव संसद और जनता तक कितना असर छोड़ता है। जेडीयू और बीजेडी जैसे दल जो हमेशा निर्णायक भूमिका निभाते हैं इस बार फिर केंद्र के साथ खड़े हैं। अगर विपक्ष इनको अपने साथ खींच ले तो भाजपा को जीत आसानी से नहीं मिलेगी।

नैतिक दबाव तले दबा एनडीए

संसद की मौजूदा स्थिति में संख्याबल एनडीए के पक्ष में है। बीजेपी और उसके सहयोगियों के पास पर्याप्त वोट हैं कि वे आसानी से उपराष्ट्रपति चुनवा सकते हैं। लेकिन राजनीति में गणित ही सबकुछ नहीं होता संदेश और प्रतीक भी मायने रखते हैं।इण्डिया गठबंधन ने बी. सुदर्शन रेड्डी को मैदान में उतारकर भाजपा पर सीधा नैतिक दबाव बना दिया है। वहीं तेजी से बदलती स्थितियों के मददेनजर यह तय नहीं है कि बीजेपी को सीधा वाकओवर मिल जाए और वह बिना लड़े ही चुनाव जीत जाए।

एसआईआर पर विपक्ष का हंगामा जारी

» लोकसभा की कार्यवाही फिर बाधित दोनों सदन स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में मंगलवार को भी लोकसभा में विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया जा रहा हैं। विपक्ष बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर प्रदर्शन कर रहा है। लोकसभा और राज्यसभा में इस मुद्दे पर जोरदार हंगामा जारी है।

लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के बाद प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष के हंगामे के कारण स्थगित हुई थी। दोपहर 12 बजे कार्यवाही शुरू होने के साथ ही एक बार फिर से विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

वोट चोरी संविधान की हत्या है : खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, ये हमारी पार्टी का स्टैंड है कि जो भी वोट चोरी हो रही है, वोट में बदलाव कर रहे हैं और वोटों की हेराफेरी हो रही है इसके खिलाफ हम पूरे देश में माहौल बनाना चाहते हैं कि लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। अगर ऐसे चोरी करके गद्दी पर बैठेंगे तो लोकतंत्र के लिए हितकारी नहीं है। ये संविधान की हत्या है।

राहुल गांधी ने मुस्कान से जीता सबका दिल

बीजेपी समर्थकों ने लगाए राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे, नेता प्रतिपक्ष ने दिया फ्लाइंग किस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में बिहार में वोटर अधिकार यात्रा चल रही है, जिसमें वो रोजाना अलग-अलग जिलों में जाकर लोगों से मिल रहे हैं। इसी कड़ी में नवादा पहुंचे राहुल गांधी ने एक बार फिर अपने अनोखे अंदाज से सबका ध्यान खींच लिया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थकों ने वोटर अधिकार यात्रा के दौरान जब राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए तो राहुल ने ना केवल अपनी गाड़ी रुकवाई, बल्कि बीजेपी समर्थकों की ओर मुस्कुराते हुए उन्हें फ्लाइंग किस देकर सबको चौंका दिया। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चल रही राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा तीसरे दिन तय समय से देरी से शुरू हुई। राहुल गांधी ने सोमवार को औरंगाबाद का दौरा किया था। वोटर अधिकार यात्रा में राहुल गांधी के साथ तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के कई नेता मौजूद हैं।

राहुल गांधी के दिलचस्प अंदाज से भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश ठंडा

राहुल गांधी के इस अनपेक्षित प्यार भरे जवाब ने नारे लगाने वाले बीजेपी समर्थकों को भी शांत कर दिया और उनके चेहरों पर मुस्कान बिखर गई. कांग्रेस नेता की इस दिलचस्प प्रतिक्रिया ने न केवल माहौल को हल्का किया, बल्कि भाजपा कार्यकर्ताओं के जोश को भी ठंडा कर दिया।

सियासी गलियारों में एक नई चर्चा छिड़ी

राहुल गांधी की इस खास तस्वीर ने सियासी गलियारों में एक नई चर्चा छेड़ दी है, जहां राहुल की इस अनोखी शैली को लेकर आमजन भी तरह-तरह की बातें कर रहे हैं. क्या यह राहुल गांधी का नया सियासी दांव है, या फिर उनकी सहजता का एक और उदाहरण? यह तस्वीर निश्चित रूप से बिहार की सियासत में एक यादगार लम्हा बन गई है।

चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- शिकायत पर उत्तर प्रदेश में कोई अधिकारी नहीं हटाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का एनडीए सरकार व चुनाव आयोग पर तीखा प्रहार जारी है। सपा प्रमुख ने कहा है कि जब से भाजपा की सरकार आयी तब से चुनाव में शिकायत पर उत्तर प्रदेश में कोई अधिकारी नहीं हटाया गया है।

समाजवादी सरकार के समय चुनाव के समय कई अधिकारी हटा दिए गये थे। इसका मतलब है कि चुनाव आयोग भाजपा का कहना ज्यादा मानता है। हम चुनाव आयोग से शिकायत करते है तो कोई कार्रवाई नहीं होती है। लगता है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम करता है। भाजपा की छिबरामऊ से विधायक ने अपने बूथ पर चार सौ फर्जी वोट बनवाए थे। चुनाव आयोग को देखना चाहिए कि भाजपा के लोग अपने बूथों पर ज्यादा वोट क्यों बनवाते हैं।

अखिलेश यादव ने संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने आम चुनाव से लेकर उपचुनाव तक कई अधिकारियों की शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 2017 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में कितने अधिकारी ट्रांसफर हुए थे। वहीं लोकसभा चुनाव 2019, विधानसभा चुनाव 2022 और लोकसभा चुनाव 2024 में शिकायत पर एक भी अधिकारी का ट्रांसफर नहीं हुए। 2014 लोकसभा चुनाव में तथा 2017 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा चुनाव में जिस अधिकारी की शिकायत कर देती थी उसका ट्रांसफर हो जाता था। भाजपा की सरकार के दौरान चुनाव में विपक्ष शिकायत करता रहा लेकिन अधिकारियों को नहीं हटाया गया। इस सबके लिखित दस्तावेज हैं।

चुनाव आयोग पर कौन भरोसा करेगा

श्री यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने हमें नोटिस दिया था। हमने नोटिस के समय के अन्दर अपने कार्यकर्ताओं से सहयोग लेकर कम समय में 18 हजार एफिडेविट बनवाए। 18 हजार एफिडेविट देने के बाद अगर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो चुनाव आयोग पर कौन भरोसा करेगा? समाजवादी पार्टी ने जो एफिडेविट दिए है, हमें उम्मीद है कि चुनाव आयोग अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, तथा सरकार को भी निर्देशित करेगा कि उन पर कार्रवाई करें।

उपचुनाव में वोट की सामान्य चोरी नहीं डकैती हुई थी

अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अभी उपचुनाव में जो देखने को मिला वैसा कभी नहीं हुआ था। उपचुनाव में वोट की सामान्य चोरी नहीं डकैती हुई थी। क्या कोई कल्पना कर सकता है कि पुलिस ही वोट डालेगी। पुलिस ने प्राइवेट ड्रेस में वोट डाला। जिस विधान सभा क्षेत्र में भाजपा 2022 का चुनाव हारी थी, वहां उसे उपचुनाव में 77 फीसदी वोट कैसे मिल गए?

जानबूझकर पिछड़ों का वोट काटा गया

चुनाव में जानबूझ कर पिछड़ों का वोट काटा गया। इसमें बिंद समाज, मौर्य समाज, पाल समाज, बघेल समाज, राठौर समाज समेत अन्य लोगों का वोट काटा गया। पहले पिछड़ों का वोट काट दिया जाता है। भाजपा चुनाव जीत लेती है तो ऐसा शो कराती है कि उसे पिछड़ा वोट मिल रहा है जबकि सच्चाई यह है कि वोट डिलीट किए गए। श्री यादव ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का जिक्र करते हुए कहा कि कुर्सी, शाहगंज, छिबरामऊ, श्रावस्ती, मड़ियाहूं में समाजवादी पार्टी बहुत कम अंतर से चुनाव हारी। वहां के डिलेटेड वोट देखा जाय तो वह ज्यादा था। लोकसभा चुनाव 2019 में जिन लोगों ने वोट डाले थे 2022 विधानसभा चुनाव में उनके वोट कट गए। उन्होंने कहा कि अगर वोट बनवाने की एक प्रक्रिया है तो वोट कटवाने की भी प्रक्रिया है। हमारी मांग है कि एक जिलाधिकारी को सस्पेंड कर दिया जाय। पूरे देश में वोट चोरी रूक जाएगी।

सरकार की नालायकी देख सुप्रीम कोर्ट ले रहा फैसले : शांताकुमार

» पूर्व मुख्यमंत्री बोले- बड़ी विडंबना बड़ी अदालत में आवारा कुत्तों पर विचार लाना पड़ रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पालमपुर (कांगड़ा)। पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने कहा कि शायद किसी ने कभी सोचा भी नहीं होगा, किसी लेखक या कवि ने कल्पना भी नहीं की होगी कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट में भारत की सड़कों पर आवारा कुत्तों के काटने के मामले पर विचार किया जाएगा।

भारत का समाज और देश की सरकार इतनी नालायक हो जाएगी कि सर्वोच्च न्यायालय को स्वयं ही इस महत्वपूर्ण आवश्यक विषय पर संज्ञान लेना पड़ेगा।उन्होंने कहा कि एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक साल में लगभग 37 लाख कुत्तों द्वारा मनुष्यों के काटने की घटनाएं हुई हैं, हजारों-लाखों घायल हुए तथा कुछ मारे भी गए। कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने इतना ही कहा था कि आवारा कुत्तों के इस संकट से लोगों को बचाने के लिए उनको ठीक जगह आश्रय स्थालों में रखने का प्रबंध किया जाए।

सड़कों पर आवारा घूमती है गौ माता

यह सुनते ही हजारों कुत्ता प्रेमी सड़कों पर उतर आए और आदेश का विरोध करने लगे। सर्वोच्च न्यायालय विवश हुआ और एक बड़ा खंडपीठ तय किया और अपने पहले ही निर्णय को रोकना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत में गौ माता को पूजा जाता है। कई बार भारत के लोगों ने गौ माता को भारत माता का दर्जा देने की मांग भी की है। लेकिन गौ माता बेसहारा पशु बन कर मारे मारे घूमती है और कूड़ा कर्कट खाने पर विवश होती है। सड़कों पर गौवंश यातायात को रोकते हैं, कई बार दुर्घटनाएं भी होती हैं।

यह काम सरकार और समाज का

इस संबंध में भी समाज और सरकार ने कभी गंभीरता से विचार नहीं किया। शांता ने समाज और सरकार से आग्रह किया है कि यह काम सर्वोच्च न्यायालय का नहीं है। भारत के संविधान के अनुसार यह काम सरकार और समाज का है। सभी प्रदेश सरकारें इस विषय पर गंभीरता से विचार करें।

मैं अर्जुन, युधिष्ठिर कोई और होगा : जीतू पटवारी

» कांग्रेस ने मप्र में 2028 की जंग के लिए क्षेत्रीय क्षत्रप उतारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति के साथ ही 2028 के विधानसभा की चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस विधानसभा चुनाव के लिए क्षेत्रीय क्षत्रपों के सहारे चुनाव जीतने की रणनीति बना रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के बयान कि मैं महाभारत का अर्जुन हूं, युधिष्ठिर कोई ओर होगा, ने और बल दिया है।

प्रदेश कांग्रेस ने अपने संगठन को मजबूत करने के लिए 71 शहरी और ग्रामीण जिलों में नए अध्यक्षों की नियुक्ति की है। इसमें कांग्रेस ने दिग्गजों को जिलों की कमान सौंप कर चौंकाया है। पार्टी ने 6 मौजूदा विधायक और 11 पूर्व विधायकों को जिलों का प्रभार दिया है। इसमें तीन पूर्व मंत्री रहे हैं। इन दिग्गजों को जिला अध्यक्ष बनने के लिए राहुल गांधी ने खुद फोन पर बात करके मनाया। कांग्रेस के क्षेत्रीय दिग्गजों को जिलों की कमान सौंपे जाने को भाजपा की 2023 विधानसभा चुनाव के पहले की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा ने अपने क्षेत्रीय क्षत्रपों को सांसद पद से इस्तीफा दिलाकर विधानसभा चुनाव लड़ाया और उनके क्षेत्रीय प्रभाव का लाभ उठाया। अब माना जा रहा है कि कांग्रेस भी इसी राह पर है। क्षेत्रीय नेताओं को कमान सौंपकर पार्टी स्थानीय संस्कृति, बोलचाल और मतदाताओं से अच्छे व्यवहार के साथ ही कार्यकर्ताओं को एकजुट कर संगठन को मजबूत करने की योजना बना रही है। प्रदेश में कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी गुटबाजी है। प्रदेश से लेकर जिलों तक में भी अलग-अलग गुट बने हुए हैं। इसका पार्टी को नुकसान और विपक्ष को फायदा होता है। अब कांग्रेस अपने बड़े नेताओं को जिलों की जिम्मेदारी देकर उन क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं की गुटबाजी को खत्म करना चाहती है। साथ ही उनको एकजुट कर आगामी चुनाव में सत्तारूढ भाजपा को टक्कर देने की योजना बना रही है। इन नेताओं को उनके क्षेत्र के साथ ही आसपास की विधानसभा सीटों की भी जिम्मेदारी दी जा सकती है। हालांकि, यह आने वाला समय ही बताएगा कि पार्टी को इस प्रयोग से कितना फायदा होगा।

कौन होगा कांग्रेस का युधिष्ठिर

भोपाल में मीडिया से बातचीत में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि उनका लक्ष्य किसी पद पर जाना नहीं है, 2028 जीतना है। उन्होंने कहा मैं महाभारत का अर्जुन हूं, युधिष्ठिर कोई और होगा। इस बयान को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही हैं। प्रदेश की राजनीति में सक्रिय चेहरे सामने सामने आ सकते है या फिर कोई चौंकाने वाला चेहरा हो सकता हैं। कांग्रेस में पीढ़ी परिवर्तन का दौर चल रहा है,ऐसे में पहली पंक्ति के नेताओं की सीएम पद के लिए दावेदारी उतनी मजबूत नहीं दिखाई नहीं दे रही है।

बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने अब तेजस्वी को दी नसीहत

» छोटे भाई से कहा- सावधान हो जाओ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे व पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने अब अपने ही छोटे भाई तेजस्वी यादव को नसीहत दे दी है। उन्होंने राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा पर भी तंज कसा और कुछ ऐसी बातें कहीं, जो कांग्रेस और राजद के नेताओं को नगवार गुजरेगी।

पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर कहा कि मुझे समझ नहीं आ रहा है कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव लोकतंत्र बचाने के लिए निकले हैं या फिर लोकतंत्र को तार तार करने निकले हैं। तेज प्रताप यादव यही नहीं रुके उन्होंने आगे लिखा कि जिस प्रकार से नबीनगर विधानसभा से विधायक विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह के गाड़ी चालक को और उसके साथ एक मीडिया पत्रकार भाई को जयचंद द्वारा मारा-पीटा और गाली गलौज किया गया है, यह बेहद ही गलत और शर्मनाक है। मैं इसकी कड़ी आलोचना करता हूं।

मप्र कांग्रेस में थमा नहीं घमासान

जिला अध्यक्षों की घोषणा के बाद किचकिच

- पीसीसी चीफ ने की डैमेज कंट्रोल की कोशिश
- बोले-आगे किया जाएगा एडजस्ट
- मध्य प्रदेश कांग्रेस में फिर घमासान
- राहुल ने सभी को दिल्ली बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश में वैसे तो विपक्ष में बैठी कांग्रेस वहां की सत्ता पर काबिज भाजपा को घरेनने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती है। समय-समय पर कांग्रेस के बड़े नेता दिग्विजय सिंह, कमलनाथ , जीतू पटवारी से लकर सिंगार तक अपनी दमदार आवाज से मोहन सरकार की चूलें हिलाने में पीछे नहीं रहते। पर इन सबके बीच पार्टी के अंदर गुटबाजी व एकदूसरे की टांग खींचने की प्रवृति बढ़ती जा रही है। इस तरह की अनुशासन की खबरों की वजह से केंद्रीय लीडरशीप ने राज्य के नेताओं को दिल्ली भी तलब कर लिया है।

उधर जिला अध्यक्षों की घोषणा के बाद बढ़ते विरोध के बीच पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने डैमेज कंट्रोल की कोशिश की है।। उन्होने सोशल मीडिया पर लिखा कि सभी के सर्वश्रेष्ठ योगदान से ही सशक्त संगठन मप्र में कांग्रेस की पहचान है। संगठन निर्माण की इस प्रकिया में चयन से वंचित रहे साथियों को शीघ्र ही नई जिम्मेदारी दी जाएगी।

आलाकमान के दरबार में पहुंचा जिला अध्यक्षों का मामला

मध्य प्रदेश में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की हुई नियुक्ति के बाद असंतोष के स्वर जोर पकड़ने लगे हैं, बयानबाजी हो रही है और इस्तीफे का दौर भी शुरू हो गया है। वहीं दूसरी ओर, नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को प्रशिक्षण के लिए 24 अगस्त को दिल्ली बुलाया गया है, जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी संवाद करेंगे।

एक ही लक्ष्य 2028 में कांग्रेस की सरकार बनाना

पटवारी ने आगे लिखा कि अगले मोर्चे के लिए भी हमें जी-जान से जुटकर तैयारी करनी है। जन-मन/घर-घर तक कांग्रेस की रीति-नीति को पहुंचाना है। सिर्फ एक लक्ष्य कि 2028 में कांग्रेस सरकार बनाना है। एक बार पुन: बधाई और अग्रिम शुभकामनाएं।

सभी को नई जिम्मेदारी दी जाएगी : जीतू पटवारी

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कांग्रेस परिवार के जांबाज साथियों, अब हमें मिलकर संगठन सृजन अभियान के अगले पड़ाव की ओर कदम बढ़ाना है। कांग्रेस के विचार और संस्कार को जन-जन तक, पंचायतों तक लेकर जाना है। सभी के सर्वश्रेष्ठ योगदान से ही सशक्त संगठन मप्र में कांग्रेस की पहचान है। संगठन निर्माण की इस प्रकिया में चयन से वंचित रहे साथियों को शीघ्र ही नई जिम्मेदारी दी जाएगी।

ऑब्जर्वर के रिपोर्ट के आधार पर हुआ चयन

इधर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने नए जिला अध्यक्षों की सूची और मचे बवाल पर कहा कि राहुल गांधी ने संगठन सृजन के नए कॉन्सेप्ट का पहला प्रयोग गुजरात मे किया। मध्यप्रदेश में भी राहुल गांधी के नेतृत्व में संगठन सृजन हुआ। मैं भी पीसीसी की तरफ से रायसेन में था। यह कार्यक्रम 2028 के विधानसभा चुनाव के लिये चल रहा है। जिला अध्यक्षों का चयन एआईसीसी के ऑब्जर्वर के रिपोर्ट के आधार पर हुआ है। उन्होंने कहा कि बीजेपी अपना देखे, उनकी खुद की प्रदेश की कार्यकारिणी नही बन पा रही है। बीजेपी राष्ट्रीय

अध्यक्ष का निर्णय नहीं कर पा रही है। कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में आगे बढ़ रही है। इससे संगठन और मजबूत होगा। विरोध एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जब कोई नई टीम बनती है।

लंबे इंतजार के बाद प्रदेश भर के 71 अध्यक्षों की घोषणा

एमपी कांग्रेस में लंबे इंतजार के बाद प्रदेश भर के 71 शहरी और ग्रामीण जिला अध्यक्षों की घोषणा एक दिन पहले की गई लेकिन घोषणा के बाद नेताओं में विरोध के स्वर सामने आने लगे हैं। कई नेताओं ने अपने सभी पदों से इस्तीफा भी दे दिया है और पार्टी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बढ़ते विरोध के बीच पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने डैमेज कंट्रोल की कोशिश करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि वंचित रहे साथियों को शीघ्र ही नई जिम्मेदारी दी जाएगी।

बिहार चुनाव से पहले ओबीसी पर दांव

ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती मनाने का ऐलान

- पीएम मोदी ने चला तुरुप का इक्का
- बीजेपी ने तय की अपनी प्राथमिकता
- विपक्ष भी जातिगत गणना की जिद पर अड़ा
- राजद-कांग्रेस ने बदली राजनीतिक दिशा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जबसे विपक्ष खासतौर से नेता प्रतिपक्ष ने चुनाव आयोग पर हमले के साथ-साथ जातिगत जनगणना करवाने पर फोकस किया है तबसे भाजपा की नींदं उड़ी हुई है। हालांकि केंद्र की एनडीए सरकार जातिगत जनगणना करवाने की मंजूरी दे दी है पर अभी इसमें लंबा समय लग सकता है। बहार में आगामी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले, बीजेपी पिछड़ों पर खास फोकस कर रही है। केंद्र सरकार ने ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती मनाने का ऐलान किया है। इन सबके बीच क्या सत्ता पक्ष क्या विपक्ष सबकी नजर ओबीसी वोटर पर गड़ गई है।

बिहार में इस साल विधानसभा के चुनाव हैं। ऐसे में बीजेपी समेत सियासी पार्टियां इसके लिए तैयारी में जुट चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार चुनाव से पहले बड़ा दांव चला है। 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने अहम ऐलान किया। प्रधानमंत्री ने 19वीं सदी के समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की दूसरी जन्म शताब्दी को धूमधाम से मनाने की घोषणा की। इसे ओबीसी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ओबीसी ज्योतिबा फुले को बहुत मानते हैं। उन्होंने जातिवाद के खिलाफ आवाज उठाई और महिलाओं की शिक्षा का समर्थन किया। पीएम मोदी मोदी ने कहा कि आने वाले समय में, हम महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती मनाएंगे। हम इस अवसर पर उत्सव शुरू करने जा रहे हैं। फुले के सिद्धांत और 'पिछड़ों को प्राथमिकता' का मंत्र हमारे लिए प्रेरणा हैं। ज्योतिबा फुले माली जाति में पैदा हुए थे। इस समारोह के साथ, उनको राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलेगा। बीजेपी ने ज्योतिबा फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई को पहले ही अपने आदर्शों में शामिल कर लिया है। सावित्रीबाई फुले को महिलाओं की शिक्षा के लिए उनके भावुक और अथक प्रयासों के लिए जाना जाता है। अब मोदी सरकार उनकी 200वीं जयंती को मनाकर उन्हें और भी सम्मान दे रही है। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार फुले के मंत्र को लागू करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछड़ों को प्राथमिकता देकर, हम विकास की ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं। हम इसके लिए पूरी कोशिश करना चाहते हैं। पारदर्शी नीतियों के माध्यम से, हम पिछड़ों को प्राथमिकता को जमीन पर उतारना चाहते हैं, ताकि यह हर पिछड़े व्यक्ति के जीवन में आए।

सरकार को जन-समर्थक होना चाहिए : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने दलितों और अन्य वंचित वर्गों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि सरकार को उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे वे दलित हों, पीड़ित हों, शोषित हों, या वंचित हों, सरकार को उनके लिए सक्रिय रूप से सकारात्मक होना चाहिए। सरकार को जन-समर्थक होना चाहिए।

वंचित वर्गों के कल्याण पर खास जोर

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोगों को गलतफहमी है कि उनकी सरकार वंचित वर्गों के कल्याण के लिए वैसी ही योजनाएं लागू कर रही है जैसी पिछली सरकारों ने की थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम योजनाओं को जमीन पर लागू कर रहे हैं। हम सैचुरेशन पर जोर देते हैं क्योंकि अगर सामाजिक न्याय का सही अर्थ है, तो वह 'सैचुरेशन' में है, जहां कोई भी योग्य व्यक्ति छूट न जाए। यानी हर जरूरतमंद तक योजना का लाभ पहुंचे।

बीजेपी का आधार बढ़ाने पर खास नजर

फुले की 200वीं जयंती समारोह बीजेपी की ओर से महाराष्ट्र के दूसरे महान समाज सुधारक को अपनाने का प्रतीक होगा। इससे पहले, बी.आर. अंबेडकर को औपचारिक रूप से हॉल ऑफ इंस्पिरेशंसमें शामिल किया गया था। बीजेपी उन लोगों को भी अपना रही है जो कभी पार्टी की विचारधारा से मेल नहीं खाते थे। यह पार्टी के आधार को बढ़ाने का एक तरीका है। नरेंद्र मोदी ने पीएम बनने के बाद अंबेडकर की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तेजी से काम किया है।

ओबीसी पर सभी सियासी दलों का फोकस

पीएम मोदी ही नहीं कांग्रेस, जदयू, राजद व अन्य दल भी ओबीसी पर नजर रखे हुए हैं। जिस तरह से ज्योतिबा फुले को लेकर अहम ऐलान किया, इन बातों के कई मायने निकाले जा रहे हैं। दरअसल, जल्द ही उपराष्ट्रपति का चुनाव है। बीजेपी अध्यक्ष का फैसला होना है। इसके अलावा बिहार चुनाव भी नजदीक है। बिहार चुनाव में ओबीसी की भूमिका अहम होगी। फुले का बिहार के ओबीसी समुदाय पर बहुत प्रभाव रहा है। कुशवाहा और कोइरी जैसी मध्यवर्ती जातियां, जो माली जाति की तरह बागवानी में लगी हैं, उन्हें अपना मानती हैं।

बिहार चुनाव में कितना कारगर होगा बीजेपी का ये दांव?

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि बीजेपी पिछड़े वर्गों को अपने साथ जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। फुले की जयंती को धूमधाम से मनाना और उनके विचारों को आगे बढ़ाने की बात करना इसी रणनीति का हिस्सा है। बिहार चुनाव में इसका कितना असर होगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा, फिलहाल बीजेपी ने अपना तुरुप का इक्का चल दिया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पहाड़ों की विनाशलीला पर वैश्विक नजर

भारत में बर्षा के दौरान पहाड़ी व पठारी हिस्सों में बादल फटने की खबरें आना आम है। हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व महाराष्ट्र में बादल फटने से सैकड़ों लोग असमय ही काल के गाल में समा गए। इन आपदाओं की वजह से भूस्खलन व बाढ़ की भी घटनाएं तेजी से बढ़ गई हैं। ऐसा नहीं कि ये समस्या भारत की ही है। ऐसी घटनाएं पूरे विश्व में होती रही हैं। हाल में फिर दुनियाभर में आई भूस्खलन और बाढ़ की लगातार घटनाओं ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। असल में अब जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक संकट बन गया है, जिसके प्रभाव हर देश में अलग-अलग रूप में सामने आते हैं। अगर भारत और अमरीका जैसी शक्तियों की बात की जाए तो दोनों ही देश जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं लेकिन इनके भौगोलिक, पर्यावरणीय और विकासात्मक अंतर के कारण इन प्रभावों की प्रकृति भिन्न है। भारत में मानसूनी जलवायु के कारण वर्षा एक सीमित अवधि में अधिक मात्रा में होती है, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं।

हिमालय घाटी, उत्तराखंड, हिमाचल और पूर्वोत्तर राज्यों में अत्यधिक वर्षा, हिमनदों के पिघलने और वनों की कटाई जैसे कारण भूस्खलन के पीछे प्रमुख हैं। दूसरी ओर, अमरीका में विशेष रूप से कैलिफोर्निया और वाशिंगटन जैसे राज्यों में जंगलों की आग, अचानक भारी वर्षा और पर्वतीय ढलानों पर बसे क्षेत्रों में मानवीय गतिविधियां भूस्खलन को जन्म देती हैं। भारत में भूस्खलन के खतरे को भांपने और चेतावनी देने की प्रणाली सीमित है, जबकि अमरीका में अत्याधुनिक सैटेलाइट और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली के माध्यम से अधिक प्रभावशाली पूर्व चेतावनी दी जाती है। भूस्खलन के कारण न केवल सड़कों, पुलों और भवनों को क्षति पहुंच रही है, बल्कि पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का जीवन भी असुरक्षित हो गया है। यदि हमने जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं लिया, तो भारत में प्राकृतिक आपदाओं की संख्या और तीव्रता आने वाले वर्षों में और बढ़ेगी। नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, पर्यावरणविदों और आम नागरिकों को मिलकर इस दिशा में सतर्कता और जागरूकता से काम करने की आवश्यकता है। पहले जहां भूस्खलन केवल भारी वर्षा या भूकंप के बाद होता था, अब यह बिना किसी पूर्व सूचना के भी घटित हो सकता है। इसका मुख्य कारण है जलवायु में आए तेज बदलाव जैसे कि असामान्य और अत्यधिक वर्षा, बर्फबारी का असंतुलन और वनों की अंधाधुंध कटाई। अब हम सभी को चेतना होग और पर्यावरण को बर्बाद होने से बचाने केलिए जागरूक होगा होगा।

असल में अब जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक संकट बन गया है, जिसके प्रभाव हर देश में अलग-अलग रूप में सामने आते हैं। अगर भारत और अमरीका जैसी शक्तियों की बात की जाए तो दोनों ही देश जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं लेकिन इनके भौगोलिक, पर्यावरणीय और विकासात्मक अंतर के कारण इन प्रभावों की प्रकृति भिन्न है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पर्यावरण भी प्राथमिकता हो डिजिटल युग में

सुरेश सेठ

शिक्षा वह माध्यम है, जिसके सहारे हम तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम से कदम मिला सकते हैं। आज की दुनिया में कृत्रिम मेधा का बोलबाला है। रोबोट मनुष्य का स्थान लेने लगे हैं, क्योंकि संपन्न निवेशकों को लागत प्रबंधन में यही उपयुक्त लगता है। ऐसे में शिक्षा को यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सही दिशा में पहुंचे, न कि डीपफेक और साइबर अपराध जैसे खतरनाक गलियारों में खो जाए। यदि सर्वेक्षण बताते हैं कि बच्चों को दस तक का पहाड़ा या प्रतिशत निकालना भी नहीं आता, तो सवाल उठता है-वे इस बदलती दुनिया के ज्ञान से कैसे कदम मिला पाएंगे? सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में स्पष्ट किया है कि भारत में शिक्षा क्रांति का अर्थ केवल व्यावसायिक विस्तार नहीं है।

शिक्षा संस्थानों का निर्माण करते समय पर्यावरणीय प्रभावों का संज्ञान लेना आवश्यक है। 29 जनवरी, 2025 को केंद्र सरकार की एक अधिसूचना कोर्ट के विचाराधीन हुई, जिसमें औद्योगिक शेड, स्कूल, कॉलेज और छात्रावास जैसी परियोजनाओं को पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के तहत पूर्व पर्यावरण मंजूरी से छूट प्रदान की गई थी। अधिसूचना में यह स्वीकार किया गया कि 20,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में निर्माण कार्य पर्यावरण को प्रभावित करेगा, लेकिन यह भी कहा गया कि इन संस्थानों का राष्ट्रीय विकास में इतना महत्व है कि इन्हें पूर्व मंजूरी से मुक्त किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है। जब यह संतुलन बिगड़ता है, तो घुटन, हरित क्षेत्र की कमी, खेल के मैदानों का लोप और शिक्षा के नाम पर व्यापार का विस्तार देखने को मिलता है। बीते वर्षों में अनेक राजनीतिक दलों ने शिक्षा क्रांति के विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किए हैं। यह कहा जाता है कि शिक्षा केवल निजी पब्लिक स्कूलों की बंधक नहीं होनी चाहिए। नीति यह होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों को इतना सक्षम बनाया जाए कि माता-पिता को अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने की कोई जल्दबाजी न रहे।

लेकिन इस लक्ष्य के बावजूद, सरकारी स्कूल अब भी उस स्तर को नहीं छू पा रहे हैं, जिसकी कल्पना करके हमने निजी स्कूलों के वर्चस्व को चुनौती देने की कोशिश की थी। सवाल यह है कि इतने प्रयासों के बावजूद, शिक्षा क्षेत्र में बड़े निवेशक क्यों प्रवेश कर रहे हैं? क्या शिक्षा अब

सेवा नहीं, एक लाभकारी व्यवसाय बन गई है? अब तो स्कूलों के बीच नए स्कूल खोलने की परंपरा-सी बन गई है। पहले जहां खेल मैदान हुआ करते थे, वहां अब नर्सरी और प्री-नर्सरी की कक्षाएं बन रही हैं। कहा जाता है कि निजी पब्लिक स्कूल एक लाभकारी सौदा बन चुके हैं। हर वर्ष इन स्कूलों की फीस और अन्य शुल्क बढ़ते जाते हैं। अब प्राइमरी कक्षाओं के साथ-साथ नर्सरी और प्री-नर्सरी भी 'खुलने' लगी हैं-जिनका मकसद शिक्षा कम, व्यापार अधिक लगता है। संभावना है कि भविष्य में पुरानी शिक्षा प्रणाली अप्रासंगिक हो जाएगी और एक नई 'डिजिटल शिक्षा' उभरेगी-जो डेटा, एल्गोरिद्म और इंटरनेट के इर्द-गिर्द घूमेगी। ऐसे में स्कूलों में हरियाली, खेल मैदान और खुलापन खत्म न हो जाए, यह चिंता का विषय है। अब हम ऐसे प्राइमरी स्कूलों की संभावनाएं देख रहे हैं, जहां बच्चों को आरंभ से ही डिजिटल और कृत्रिम मेधा की शिक्षा दी जाएगी। लेकिन इस दौड़ में कहीं पर्यावरण बलि का बकरा न बन जाए। कहीं स्कूलों की हरियाली समाप्त न हो जाए। कहीं खेल मैदान बहुमंजिला इमारतों की भेंट न चढ़ जाएं। कोर्ट ने कहा कि सरकार का यह मानना कि केवल कुछ दिशा-निर्देशों का पालन कर लेने से पर्यावरण सुरक्षा हो जाएगी, पर्याप्त नहीं है। योजनाएं जब विस्तार लेती हैं तो व्यावसायिक हित हावी हो जाते हैं, और विशेषज्ञों की राय की अनदेखी शुरू हो जाती है। पीठ ने माना कि स्कूल, छात्रावास व अन्य शैक्षणिक संस्थान पर्यावरणीय कानूनों के अधीन रहें और उन्हें पूर्व मंजूरी की अनिवार्यता से मुक्त न किया जाए। अधिसूचना में जो छूट दी गई थी, वह दोहरी मंजूरी प्रणाली में से पर्यावरणीय मंजूरी को हटा देती है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह संशोधन संरक्षित क्षेत्रों और प्रदूषित इलाकों में पर्यावरण मूल्यांकन की प्रक्रिया को कमजोर करता है। इस छूट के पीछे कोई मजबूत तर्क नहीं है, केवल यह संभावना है कि यह निजी शिक्षा क्षेत्र में व्यावसायिक निवेश को बढ़ावा देने का एक औजार बन जाए। कोर्ट का संदेश साफ है-शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण में। भावी पीढ़ी प्रदूषण और अंधाधुंध निर्माण की शिकार न बने, यही सुप्रीम कोर्ट और हर सजग नागरिक की अपेक्षा है।

जनांदोलन से ही परमाणु हथियार मुक्त विश्व संभव

श्याम सरन

बीते दिनों जापान के दो शहर, हिरोशिमा और नागासाकी पर, क्रमश: 6 और 9 अगस्त, 1945 को हुए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी मनाई गई। इन बम विस्फोटों से जितनी भीषण मानवीय हानि हुई, वह हमलावरों द्वारा बमों को दिए गए मासूम नाम - लिटिल बॉय और फैट मैन - की क्रूर विडंबना से ही कम हो गयी थी। जिस विमान से बम गिराया गया था, उसके पायलट के लिए मानो 'यमराज के वाहन' को चलाना उसके जीवन का एक गौरवशाली क्षण था, तभी तो उसका नामकरण अपनी मां एनोला गे के नाम पर कर रखा था। जो दुष्टता की चरम सीमा थी। जैसे-जैसे साल बीतते गए, उन भयावह घटनाओं की यादें- वे पिघलते मानव शरीर और वाष्पीकृत हुए बदन, धमाके के चलते घड़ी की थम गई सुइयां, और मशरूम रूपी बादल का भयानक आतंक जो सर्वनाश का प्रतीक बन गया -वक्त के साथ धुंधली होती गईं। ऐसा होना नहीं चाहिए था। इतने विशाल स्तर और तीव्रता वाले सर्वनाश का खतरा एक व्यापक आत्मसंतुष्टि के तले दबता जा रहा है।

युवा पीढ़ियां इस दुखद इतिहास से बहुत कम परिचित हैं, हालांकि यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें ही काम करना होगा कि यह प्रलयंकारी घटना फिर कभी न घटने पाए। यह सत्य है कि हिरोशिमा और नागासाकी के बाद से ही परमाणु हथियारों के इस्तेमाल करने को संयम बना रहा। परंतु इन परमाणु धमाकों के बाद की गई अनेकानेक आशावादी भविष्यवाणियों के विपरीत, परमाणु हथियार संपन्न देशों की संख्या मूल पांच (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन) से बढ़कर आज 9 हो गई है (इस्राइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के जुड़ने से)। यह भी तथ्य है कि परमाणु हथियारों का वैश्विक भंडार मुख्यत: अमेरिका और रूस के शस्त्रागारों में है, जिनकी गिनती शीत युद्ध के दौरान रही अधिकतम 40,000 से घटकर आज लगभग 14,000 रह गई है, आज भी अमेरिका और रूस के भंडार सबसे बड़े हैं। यह आशा की किरण कही जा सकती है, लेकिन जब तक परमाणु हथियार मौजूद रहेंगे, परमाणु सर्वनाश का खतरा मंडराता रहेगा।

चिंता की बात यह है कि परमाणु हथियार-मुक्त विश्व के आह्वान में नागरिक समाज की लामबंदी और सक्रियता का अभाव है। साल 1980 के दशक में, जब लेखक जिनेवा स्थित निरस्त्रीकरण समिति में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था, तब यूरोप में परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर सबसे मुखर अभियान चला हुआ था। यहां तक कि महाबोधि सोसायटी अपने प्रमुख, फुजी गुरु के नेतृत्व में, परिषद कक्ष के बाहर खड़ी होकर शांति-मंत्र जपती रही, जो कि केवल एक जापानी कार्यकर्ता ही कर सकता था, दुनिया को यह याद दिलाने के लिए कि हिरोशिमा और नागासाकी परमाणु हथियार-मुक्त विश्व प्राप्ति में एक आवश्यक कारण बने रहें। बाद में, सदी के अंत में, मैं 'ग्लोबल जीरो' नामक आंदोलन का हिस्सा था, जिसने परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के लिए जुनून और दृढ़ता के साथ अभियान चलाया। इसका नेतृत्व ब्रूस जी ब्लेयर ने किया था, जो कभी अमेरिकी परमाणु कमान और नियंत्रण केंद्र का हिस्सा रहे थे और परमाणु शांति की नाजुकता को अच्छी तरह समझते थे।

ब्लेयर का 2020 में निधन हो गया और इस आंदोलन ने अपनी गति और ऊर्जा खो दी। मेरा मानना है कि वैश्विक स्तर पर नागरिक समाज आंदोलन के बगैर, परमाणु हथियार-मुक्त विश्व की कल्पना महज मरीचिका ही रहेगी। वैश्विक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था की स्थिरता पर संदेह करने के कई कारण हैं। पूर्व-निवारण परमाणु सिद्धांत, जिनको लेकर दावा किया जाता है कि उनकी वजह से पिछले 80 वर्षों में परमाणु शांति कायम रही है, उसका प्रभाव सदा से संदिग्ध रहा है और आज तो और भी अधिक संदेहास्पद है। पूर्व-निवारण परमाणु पहल के अधिकांश सिद्धांत तत्कालीन सोवियत संघ नीत पूर्वी जगत और अमेरिका, ब्रिटेन एवं फ्रांस की अगुवाई वाली पश्चिमी दुनिया के बीच अनिवार्य रूप से द्वि-आधारीय (बाइनरी) समीकरण से विकसित हुए थे। अवधारणाएं जैसे कि पारस्परिक विनाश की मंशा (परमाणु अस्त्रों से एक-दूसरे का सर्वनाश करने की क्षमता, चाहे पहल किसी भी पक्ष ने की हो) और क्रमिक प्रतिक्रिया में बढ़ोतरी (या फिर यह धारणा कि सीमित क्षमता के परमाणु बमों के उपयोग से बेरोकटोक परस्पर बमबारी के फैलाव को रोकना संभव हो सकता है)।

ऐसी सोच वास्तविकता का प्रतिबिम्ब होने की बजाय दिमागी खेल ज्यादा है। यदि पूर्व-निवारण परमाणु पहल, द्वि-आधारीय संदर्भ में भी, इतनी जटिल साबित हो चुकी है, तब परमाणु हथियार संपन्न अनेक देशों वाले परिदृश्य में यह कैसे कारगर हो सकती है? क्या भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु द्वंद्व द्विराष्ट्रीय ही रहेगा या इसमें चीन भी भूमिका निभाएगा? तब क्या भारतीय उपमहाद्वीप के परमाणु युद्ध में चीन की आमद होने पर रूस और अमेरिका भी इसमें कूद पड़ेंगे? परमाणु शक्तियों की बहुतायत और उनकी प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी असंभव होने से, परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच संबंधों का प्रबंधन कहीं अधिक जटिल और अप्रत्याशित बनने का खतरा बन गया है। सभी परमाणु-हथियार संपन्न देशों की भागीदारी वाली बहुपक्षीय वार्ताओं से ही परमाणु युद्ध के खतरे का समाधान संभव है। शुरुआत परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच एक बहुपक्षीय समझौते से की जा सकती है कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने में वे कभी भी पहल न करेंगे और आदर्श रूप से तो, वे उनका इस्तेमाल ही न करने या उपयोग करने की धमकी न देने का प्रण करें।

लौकी से ऐसे बनाएं पराठा और रायता

इन पकवानों से घरवालों का खिल जाएगा चेहरा

लौकी, एक ऐसा पकवान है, जिसे देखकर न सिर्फ बच्चे बल्कि बड़े लोग भी देखकर मुंह बनाते हैं। लेकिन अब जब गर्मी का मौसम चल रहा है तो बाजार में लौकी, टिंडे, परवल और तोरई जैसी सब्जियां ही मिलती हैं। ऐसे में बच्चों को ये सब्जियां खिलाना काफी मुश्किल काम हो जाता है। इसी के चलते आप दो ऐसी रेसिपी हैं, जिन्हें न सिर्फ आपके घर के बच्चे बल्कि घर के बड़े भी काफी चाव से खाएंगे। इसलिए अगर आप लौकी का पराठा और लौकी का रायता बनाएंगे तो घर का माहौल काफी खुशनुमा है।

पराठा का सामान

गेहूं का आटा- 2 कप, लौकी (कद्दूकस की हुई)- 1 कप, हरी मिर्च-1, नमक स्वादानुसार, हल्दी- दो छोटा चम्मच, लाल मिर्च- द छोटा चम्मच, अजवाइन- ½ छोटा चम्मच, हरा धनिया- 2 चम्मच, तेल/घी।

विधि

लौकी का ये पराठा खाने में इतना स्वादिष्ट लगेगा कि घर के बच्चे इसे बार-बार मागेंगे। इसे बनाने के लिए सबसे पहला काम है लौकी को कद्दूकस करके अच्छी तरह से निचोड़ना। इसे पूरी तरह से निचोड़ लें और फिर कड़ाई में तेल और सभी मसाले डालकर लौकी को हल्का फ़ाई कर लें।

फ्राई करने से इसका बचा कुचा पानी भी सूख जाएगा। अब इस मसाले को ठंडा करें। जब तक ये ठंडा हो रहा है, तब तक आटा लगा लें। आटा जब गुंथ जाए तो उसे भी ढककर थोड़ी देर के लिए रख दें। अब इसी आटे की लोई बनाएं और उसे थोड़ा बेलकर लौकी का मसाला उसमें भर दें। इसके बाद इसे एकदम पतला बेल लें। इसके बाद पराठे को तवा पर घी या तेल से सेंकें। दोनों तरफ सुनहरा हो जाने पर निकालें। दही या अचार के साथ परोसें।

बनाने की सामग्री

लौकी (कद्दूकस की हुई) - 1 कप, दही- 1.5 कप (फ्रेश और फेंटा हुआ), नमक- स्वादानुसार, भुना जीरा पाउडर- ½ छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर- दो छोटा चम्मच, हरी मिर्च- 1, हरा धनिया।

विधि

अब बारी आती है लौकी का रायता बनाने की तो इसके लिए भी आपको सबसे पहले तो लौकी को कद्दूकस ही करना है। इसे कद्दूकस करने के बाद लौकी को थोड़े से पानी में उबाल लें। इसे आपको बस 2 से तीन मिनट तक उबालना है। ध्यान रखें कि ये घुट न जाए। जब ये तैयार हो जाए तब ठंडा दही फ्रिज से निकालकर उसे फेंट लें। इसके बाद उबली हुई लौकी को हाथ से निचोड़कर उसका पानी निकाल लें। जब ये अच्छी तरह से निचुड़ जाए तो इसे फेंटे हुए दही में डालकर उसमें नमक, भुना जीरा, और काली मिर्च डालकर मिक्स करें। स्वाद बढ़ाने के लिए ऊपर से बारीक कटी धनिया पत्ती और हरी मिर्च भी आप डाल सकते हैं।

बनाएं लजीज टमाटर के पकौड़े

पकौड़े की कई वैरायटी होती हैं जो हर मौसम में स्वाद के साथ खाए जाते हैं। इसमें आलू के पकौड़े, प्याज के पकौड़े, पनीर के पकौड़े और ब्रेड पकौड़ा समेत कई तरह के पकौड़ों की लिस्ट बताई जा सकती है। लेकिन क्या आपने कभी टमाटर के पकौड़े खाएं हैं? अगर नहीं तो इस बार टमाटर के खट्टे-मीठे, चटपटे और कुरकुरे पकौड़े ट्राई कर सकते हैं। टमाटर के पकौड़े बनाना आसान है, साथ ही झटपट तैयार हो जाते हैं और इसका स्वाद भी बेहद खास होता है।

सामग्री

दो मीडियम आकार के टमाटर, एक कप बेसन, दो बड़े चम्मच चावल का आटा, बारीक कटी हरी मिर्च, आधा चम्मच अजवाइन, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, चुटकीभर हल्दी, एक छोटा चम्मच धनिया पाउडर, नमक, पानी, तलने के लिए तेल।

विधि

टमाटर के पकौड़े बनाने के लिए टमाटर को गोल स्लाइस में काट लें। ध्यान रखें कि टमाटर के स्लाइस बहुत पतले न हों। अब एक कटोरे में बेसन, क्रिस्पी करने के लिए चावल का आटा, सभी मसाले, हरी मिर्च, अजवाइन आदि सभी कुछ डालकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा बैटर तैयार कर लें। अब एक बड़ी कढ़ाई में तेल गर्म करें। टमाटर के स्लाइस को बैटर में डुबोकर गर्म तेल में डालें। मीडियम आंच पर टमाटर के पकौड़े को सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। जब पकौड़ें अच्छे से तल जाएं तो उन्हें नैपकिन पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल हट जाए। टमाटर के क्रिस्पी पकौड़े तैयार है। इसे हरी चटनी, मीठी चटनी या सॉस के साथ परोसें।

हंसना मना है

एक लड़की का फोन टॉयलेट में गिर गया। टॉयलेट से जिन्न प्रकट हुआ.. जिन्न ने लड़की को गोल्ड का फोन दिया और कहा ये लो तुम्हारा फोन, लड़की ने कुल्हाड़ वाली कहानी सुन रखी थी। इसलिए ईमानदारी का परिचय देते हुए कहा- ये सोने का फोन मेरा नहीं है। जिन्न-पगली रुलाएगी क्या? धो के देख तेरा ही है।

राजू पहाड़ों पर पैराशूट बेच रहा था, ग्राहक- अगर पैराशूट नहीं खुला तो? राजू- तो आपके पूरे पैसे वापिस।

पति- तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं, पत्नी पति से बोली- तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है, ऐसी जिंदगी पर।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

कहानी | एक लकड़ी का कटोरा

एक वृद्ध व्यक्ति जिसके हाथ कांपते थे और दिखाई भी कम देता था। अपने बहु-बेटे के यहां शहर रहने गया। वो एक छोटे से घर में रहते थे, पूरा परिवार और उसका चार वर्षीया पोता एक साथ ही खाना खाते थे। लेकिन वृद्ध होने के कारण व्यक्ति को खाने में बड़ी दिक्कत होती थी। कभी मटर के दाने उसकी चम्मच से निकल कर फर्श पे बिखर जाते तो कभी हाथ से दूध छलक कर मेज पर गिर जाता। बहु-बेटे कुछ दिनों तक तो ये सब सहन करते रहे पर अब उन्हें अपने पिता के इस काम से चिढ़ होने लगी। लड़के ने कहा- हमें इनका कुछ करना पड़ेगा। बहु ने भी हां में हां मिलाई और बोली- आखिर कब तक हम इनकी वजह से अपने खाने का मजा किरकिरा करेंगे, अगले दिन जब खाने का वक्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के एक कोने में लगा दिया और अपने बूढ़े बाप से बोला कि पिता जी आप यहां पर बैठ कर खाना खाया करो। यहां तक की उनके खाने-पीने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था। ताकि अब और बर्तन ना टूट-फूट सकें। बाकी लोग पहले की तरह ही आराम से बैठ कर खाना खाते और जब कभी-कभार उस बुजुर्ग की तरफ देखते तो उनकी आंखो में आंसू दिखाई देते। पर यह भी देखकर बहु-बेटे का मन नहीं पिघलता, वहां बैठा बालक भी यह सब बड़े ध्यान से देखता रहता, और अपने में मस्त रहता। एक रात खाने से पहले, उस छोटे बालक को उसके माता-पिता ने ज़मीन पर बैठकर कुछ करते हुए देखा- तुम क्या बना रहे हो? पिता ने पूछा, बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया, अरे मैं तो आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूं, ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें, और वह पुनः अपने काम में लग गया। पर इस बात का उसके माता-पिता पर बहुत गहरा असर हुआ। उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला और आंखों से आंसू बहने लगे। वो दोनों बिना बोले ही समझ चुके थे कि अब उन्हें क्या करना है। उस रात वो अपने बूढ़े पिता को वापस डिनर टेबल पर ले आये, और फिर कभी उनके साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नए कार्य में लाभ मिलेगा। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। लाभ होगा।

वृषभ

चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन

घर-बाहर आज विवाद को बढ़ावा न दें। अपने फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। छात्र कुसंगति से बचें। आपको घर-परिवार की चिंता आज बनी रहेगी।

कर्क

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला

बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु

स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। लापरवाही न करें।

मकर

रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ

विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। नए कार्य में बनेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन

मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

महज तीन दिनों में रजनीकांत की कुली की कमाई 150 करोड़ पार

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कुली' ने सिनेमाघरों में अब तक शानदार परफॉर्म किया है। स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले 14 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज तीन दिनों में ही ऐसी कमाई कर डाली है, जिससे ये साफ हो गया है कि रजनीकांत का नाम आज भी दर्शकों के दिलों पर राज करता है। 'कुली' ने ओपनिंग डे पर ही ज़बरदस्त धमाका करते हुए 65 करोड़ की कमाई की। खास बात ये रही कि फिल्म को तमिल भाषा में सबसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला, जहां अकेले तमिल वर्जन ने 44।5 करोड़ कमाए। वहीं तेलुगु में 15।5 करोड़, हिंदी में 4।5 करोड़ और कन्नड़ में 0।5 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन हुआ। यह ओपनिंग किसी भी तमिल फिल्म के लिए एक नया रिकॉर्ड बन गई है।

फिल्म की रफ्तार दूसरे दिन और तेज हो गई, जब स्वतंत्रता दिवस की छुट्टी और रजनीकांत के गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन के चलते सिनेमाघरों में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। दूसरे दिन कुली ने 54।75 करोड़ की कमाई की, जिससे दो दिन का कुल कलेक्शन 118।5 करोड़ तक पहुंच गया।

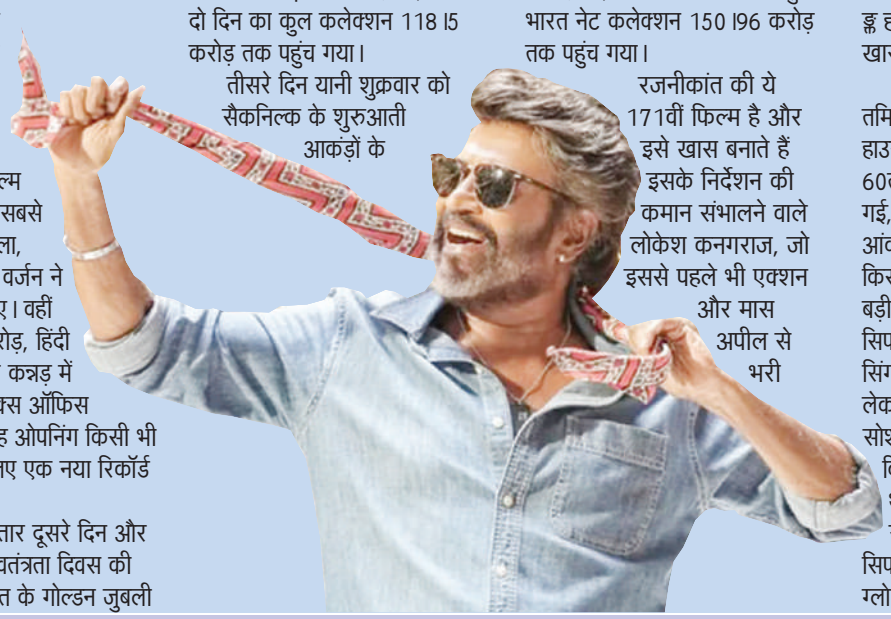

तीसरे दिन यानी शुक्रवार को सैकनिल्क के शुरुआती आकंड़ों के मुताबिक फिल्म ने दर्शकों को बांधे रखा और 31।21 करोड़ के करीब कमाई की, जिससे तीन दिन का कुल भारत नेट कलेक्शन 150।96 करोड़ तक पहुंच गया।

रजनीकांत की ये 171वीं फिल्म है और इसे खास बनाते हैं इसके निर्देशन की कमान संभालने वाले लोकेश कनगराज, जो इससे पहले भी एक्शन और मास अपील से भरी फिल्में बना चुके हैं। फिल्म में आमिर खान का कैमियो रोल हो या नागार्जुन और उपेंद्र जैसे सितारों की मौजूदगी ङ्क हर एक किरदार ने दर्शकों के बीच खास छाप छोड़ी है।

ओक्युपेंसी की बात करें तो तमिलनाडु के शहरों में थिएटर हाउसफुल रहे। चेन्नई जैसे बड़े शहरों में 60ब्र से ज्यादा ओक्युपेंसी दर्ज की गई, वहीं हिंदी भाषी क्षेत्रों में यह आंकड़ा लगभग 37ब्र रहा, जो कि किसी भी साउथ इंडियन फिल्म के लिए बड़ी बात है। फिल्म की लोकप्रियता सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रही। सिंगापुर जैसे देशों में भी फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो, विदेशी पुलिस अफसरों के 'कुली' थीम पर बने इंस्टाग्राम रील्स ने यह साबित कर दिया कि रजनीकांत सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक ग्लोबल फिनोमेनन हैं।

जल्द शुरू होगी मिर्जापुर की शूटिंग, रवि किशन और जितेंद्र होंगे फिल्म का हिस्सा

फिल्म मिर्जापुर पर जोर-शोर से काम चल रहा है। खबरों के मुताबिक इसमें रवि किशन और जितेंद्र कुमार होंगे। फैंस को उम्मीद है कि इस फिल्म में अली फजल, पंकज त्रिपाठी और दिव्येन्दु शर्मा भी होंगे। हालांकि निर्माताओं ने अभी तक इस फिल्म की कास्ट को लेकर अधिकारिक तौर पर एलान नहीं किया है।

एक सूत्र के हवाले से एचटी ने लिखा है जितेंद्र कुमार और रवि किशन फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। गुरुवार को मुहूर्त पूजा हुई और दोनों समारोह में मौजूद थे। दोनों के किरदारों को फैंस के लिए एक सरप्राइज के तौर पर रखा गया है।

सूत्र ने आगे बताया फिल्म को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। कलाकारों के लुक टेस्ट और रीडिंग सेशन शुरू हो चुके हैं। यह सिलसिला अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा। जितेंद्र और रवि भी प्री-प्रोडक्शन के काम में जुट गए हैं। फिल्म अगले महीने फ्लोर पर जाएगी। इस फिल्म का एलान 2024 में किया गया था। इसमें अली फजल, पंकज त्रिपाठी और दिव्येंदु के अलावा श्वेता त्रिपाठी भी नजर आ सकती हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं वहीं इसके निर्माता पुनीत कृष्णा हैं। बताया जाता है कि फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उसके बाद इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज किया जाएगा। मिर्जापुर के नाम से पहले एक वेब सीरीज बन चुकी है। वेब सीरीज मिर्जापुर भारत के सबसे पसंदीदा क्राइम ड्रामा में से एक है। यह सीरीज साल 2018 में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इसकी कहानी गैंगवार, राजनीति, अपराध और पारिवारिक कलह को दिखाती है। इसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु ने बेहतरीन अदाकारी की थी।

बॉलीवुड | **मन की बात**

ट्रोलर्स पर भड़कीं जान्हवी बोलीं हर दिन भारत माता की जय बोलूंगी

शनिवार को जान्हवी कपूर मुंबई के घाटकोपर में जन्माष्टमी के दही हांडी समारोह में शामिल हुईं, जहां उन्होंने नारियल से मटकी फोड़ी और भारत माता की जय का नारा लगाया। इसके बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उनका मजाक बनाया। यूजर्स ने कहा कि जान्हवी ने जन्माष्टमी को स्वतंत्रता दिवस समझ लिया है। जान्हवी के जयकारे वाले वीडियो को सोशल मीडिया यूजर्स ने मीम बना दिया। इस मामले पर जान्हवी कपूर ने अब ट्रोल्स को करारा जवाब दिया है। जान्हवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर जन्माष्टमी का पूरा वीडियो शेयर किया और लिखा, 'आपके लिए पूरा वीडियो। इवेंट में लोगों ने भी भारत माता की जय का नारा लगाया था, अगर उनके बोलने के बाद नहीं बोलती तो प्रॉब्लम और बोलो तो भी वीडियो को मीम मटिरियल के तौर पर यूज करते हो। वैसे सिर्फ जन्माष्टमी के दिन नहीं, मैं रोज बोलूंगी भारत माता की जय।' यह पहली बार नहीं है कि जान्हवी कपूर को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। कुछ महीनों पहले वह रैंप वॉक के कारण भी ट्रोल हुईं। इसके अलावा फिल्मों में अपनी एक्टिंग के लिए वह ट्रोल होती रहती हैं। लेकिन जान्हवी कपूर भी कई बार ट्रोल को करारा जवाब देती हैं। इन दिनों जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'परम सुंदरी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह एक दक्षिण भारतीय लड़की के रोल में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ हीरो के तौर पर सिद्धार्थ मल्होत्रा हैं। 'परम सुंदरी' 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस देश में बढ़ते मोटापे के कारण बढ़ गई कब्रों की लागत, लोगों ने जताई आपत्ति

इंसानों के बीच बड़े पैमाने पर हुए युद्ध मारे गए लोगों के लिए अंतिम संस्कार को एक बहुत बड़ी समस्या बना देते हैं। अंतिम संस्कार का कोई भी तरीका हो चाहे जलना हो या फिर कब्र के अंदर दफनाना कई बार यह प्रक्रिया बिना युद्ध के भी समस्या बन जाती है। जिस तरह से दुनिया में शहरों का विस्तार हो रहा है, शहरों के पास लगे कब्रिस्तानों में जगह कम पड़ने लगी है। इसकी एक मिसाल ब्रिटेन के वॉल्वरहैम्पटन शहर में हाल ही में देखने को मिली है। यहां के। डैनेस्कॉर्ट कब्रिस्तान में काउंसिल ने चौड़ी कब्रों के लिए अतिरिक्त शुल्क लागू करने का फैसला किया है जिससे लोगों में आक्रोश है और विवाद सोशल मीडिया पर पहुंच कर गहरा गया है। लोग 'फैट टैक्स' के तौर पर देख रहे हैं। काउंसिल की दलील है कि शहर में बढ़ते मोटापे के स्तर के कारण बड़े आकार की कब्रों की मांग बढ़ी है, जिसके लिए अधिक मेहनत और संसाधनों की जरूरत होती है। इस नीति को भेदभावपूर्ण और असंवेदनशील बताया जा रहा है। वॉल्वरहैम्पटन सिटी काउंसिल ने बताया कि डैनेस्कॉर्ट कब्रिस्तान में स्टैंडर्ड कब्र का आकार 2 फीट 6 इंच चौड़ा और 6 फीट 6 इंच लंबा है। अभी इसकी लागत 1,295 पाउंड यानी लगभग 1,37,000 रुपये है। कुछ मामलों में बड़े ताबूतों के लिए चौड़ी कब्रों की जरूरत होती है, जिनका आकार 4 फीट तक हो सकता है। ऐसी कब्रों को खोदने में अधिक समय, मेहनत और जगह की जरूरत पड़ती है, जिसके चलते काउंसिल ने इनके लिए 2,095 पाउंड यानी करीब 2,21,000 रुपये का मूल्य निर्धारित किया है। स्थानीय लोगों और अंतिम संस्कार निदेशकों ने इस नीति को 'फैट टैक्स' बताते हुए इसे अनुचित और अपमानजनक बताया है। वहीं काउंसिल का कहना है कि यह अतिरिक्त शुल्क केवल बड़े ताबूतों की वजह से बढ़े खर्च को कवर करने के लिए है, ना कि मृतकों के शरीर के आकार को निशाना बनाने के लिए। काउंसिल ने अपने बचाव में कहा कि यह नीति मोटापे की बढ़ती समस्या को ध्यान में रखकर बनाई गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन में मोटापे की दर पिछले कुछ दशकों में तेजी से बढ़ी है, और वॉल्वरहैम्पटन में भी यह समस्या गंभीर है। आलोचकों का कहना है कि इस नीति का नामकरण और प्रचार गलत तरीके से किया गया है, जिससे यह मोटापे से पीड़ित लोगों के खिलाफ भेदभावपूर्ण लगता है।

अजब-गजब | **हैदराबाद का अनोखा बाजार!**

यहां किलो के भाव में मिलते हैं अनमोल सिक्के

हैदराबाद। निजामों की शान और ऐतिहासिक धरोहरों का शहर हैदराबाद, जहां चारमिनार सिर्फ एक स्मारक नहीं, बल्कि शहर की पहचान और आत्मा है। चारमिनार के चारों ओर फैला हुआ बाजार न केवल पर्यटकों को लुभाता है बल्कि यहां की सांस्कृतिक विविधता और पारंपरिक विरासत की झलक भी पेश करता है। इन्हीं गलियों में स्थित एक अनोखा और दिलचस्प बाजार इन दिनों चर्चा में है, जहां पुराने सिक्के, जिनका ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और संग्रहणीय महत्व है। इन सिक्कों को यहां किलो के भाव बेचे जाते हैं । यह बाजार सिर्फ व्यापार का स्थान नहीं, बल्कि इतिहास प्रेमियों और सिक्का संग्रहकर्ताओं के लिए एक खजाना है।

यहां आपको अलग-अलग कालखंडों के दुर्लभ सिक्के, भारतीय और विदेशी मुद्राएं, और कभी चलन में रहे नोट भी देखने को मिलते हैं। स्थानीय निवासियों के साथ-साथ दूर-दूर से आए कलेक्टर्स भी इस बाज़ार में दिलचस्पी दिखाते हैं। चारमिनार के साये में सजे इस अनोखे सिक्का बाजार में हर सिक्का राजाओं के दौर से लेकर ब्रिटिश शासन तक और स्वतंत्र भारत के शुरुआती वर्षों तक की कहानी कहता है।यह बाजार न केवल खरीदारी का केंद्र है, बल्कि इतिहास को छूने और महसूस करने का अनुभव भी प्रदान करता है।

यहां ब्रिटिश राज के सिक्के निजामी मुद्राएं और अन्य पुराने सिक्के किलो के भाव से बिकते हैं। कुछ व्यापारी इन सिक्कों को गलाकर आभूषण बनाते हैं। कलेक्टर्स दुर्लभ सिक्कों की तलाश में यहां आते हैं। वहीं सिक्कों की कीमत उनकी धातु और ऐतिहासिक महत्व पर निर्भर करती है। यहां कुछ सिक्के काफी महंगे दामों पर मिलते हैं। स्थानीय दुकानदार बताते हैं कि यह परंपरा कई दशकों से चली आ रही है। कुछ लोग इन सिक्कों को निवेश के तौर पर भी खरीदते हैं जबकि कुछ का मानना है कि इनमें से कुछ सिक्के संग्रहणीय हो सकते हैं। हालांकि, पुरातत्व विभाग की ओर से ऐतिहासिक महत्व के सिक्कों की बिक्री पर रोक लगी हुई है। लेकिन बाजार सिक्के बेचने का धंधा चोरी-छिपे चलता रहता है। इस बाज़ार में सिक्कों के अलावा घरेलू सहित अन्य सामान सस्ते दामों पर खरीद सकते हैं। निजामों के जमाने के सिक्के, हैदराबादी रुपये, मोहर और अन्य निजामी मुद्राएं यहां आसानी से मिल जाती है। ब्रिटिश काल के टकसाली सिक्के, क्वीन विक्टोरिया और किंग एडवर्ड के सिक्के कलेक्टर्स के बीच खासे लोकप्रिय हैं। यहां चांदी के सिक्के 500 से 800 रूपए प्रति 10 ग्राम जबकि तांबे के सिक्के 300 से 500 रूपए प्रति किलो के हिसाब से बिकते हैं। स्थानीय ज्वैलर्स के अलावा कुछ अंतरराष्ट्रीय कलेक्टर्स भी यहां गुप्त रूप से सौदे करते देखे गए हैं।

भाजपा को भगाना व सत्ता से हटाना है : तेजस्वी

सरकार बनी तो नए सोच के साथ नया बिहार बनाया जाएगा

» बोले- चुनाव आयुक्त ने भाजपा की सदस्यता ले ली है तो जनता को बता दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गया जी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी वोट अधिकार यात्रा के तहत गया जी शहर के खलीस पार्क तीनमुहानी में बने मंच पर पहुंचे। उनके साथ राजद नेता तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और भाकपा माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य भी मौजूद रहे। इस दौरान विपक्षी नेताओं ने भाजपा, आरएसएस और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा को भगाना है। इन बेइमानों को सत्ता से हटाना है। इसके लिए सभी लोगों को एकजुट रहना होगा। राहुल गांधी ने वोट चोरी के मामले में अपने तर्क से चुनाव आयोग को नंगा कर दिया है। यदि चुनाव आयुक्त ने भाजपा की सदस्यता ले ली है तो जनता को बता दें, इसमें शर्माने की कोई बात नहीं है।

तेजस्वी ने आगे कहा कि चुनाव आयोग सोचता है कि बिहारी को चुना लगा देगा, लेकिन यह नहीं जानता कि बिहारी खैनी में चुना रगड़ देता है। बिहार लोकतंत्र की जननी है। अब भाजपा और गुजरात से आए नेता यह तय नहीं करेंगे कि यहां कौन वोट देगा और कौन नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बिहार को गरीबी, बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा और स्वास्थ्य संकट में धकेल दिया है। इससे बचने के लिए बदलाव जरूरी है। तेजस्वी ने एलान किया कि अगर उनकी सरकार बनी तो नए सोच के साथ नया बिहार बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ सरकार नहीं बनानी है बल्कि बिहार का निर्माण करना है। जो नफरत की राजनीति करेंगे उन्हें मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। मोदी जी 11 साल से ठग रहे हैं, अब ठगाना नहीं है, अब इन्हें ठगना है। इस मौके पर

राहुल ने जमकर भाजपा को घेरा

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को बिहार में जारी वोटर अधिकार यात्रा के दौरान चुनाव आयोग और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्षों से उन्हें लग रहा था कि चुनाव में गड़बड़ी हो रही है। महाराष्ट्र और हरियाणा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच महज चार महीने में चुनाव आयोग ने एक करोड़ नए वोटर बना दिए। यही वजह है कि वहां का चुनाव चोरी किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक में एक विधानसभा क्षेत्र की जांच की गई तो एक लाख से ज्यादा फर्जी वोटर पाए गए। इसकी जानकारी चुनाव आयोग को दी गई, लेकिन आयोग ने जांच करने के बजाय उनसे ही एफिडेविट की मांग की। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी उनकी है, लेकिन एफिडेविट मुझसे मांग रहे हैं। थोड़ा समय दीजिए, हम हर राज्य और हर विधानसभा में इनकी चोरी पकड़कर दिखाएंगे। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र और हरियाणा में एसआईआर के जरिए वोट चोरी का नया तरीका सामने आया है। इस दौरान राहुल ने जनता से सवाल किया कि क्या आज आप बिहार में वोट चोरी होने दोगे? राहुल गांधी ने कहा कि वोट की चोरी रोजगार और अधिकार छीनने के लिए की जाती है, लेकिन बिहार में यह सपना भी नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अपने वोट और अधिकार की रक्षा करेगी और अगर किसी ने चोरी करने की कोशिश की तो जनता उन्हें सबक सिखाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एक दिन बिहार और देश में महागठबंधन की सरकार बनेगी। उस समय संविधान में दिए गए अधिकार छीनने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में वोट के अधिकार की लड़ाई सड़क पर लड़ी जा रही है। भाजपा, चुनाव आयोग और आरएसएस मिलकर वोट के अधिकार को खत्म करना चाहते हैं और देश को राजतंत्र की ओर धकेलना चाहते हैं।

संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करना कांग्रेस की परंपरा: शाहनवाज

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने राहुल गांधी की यात्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि वोटर अधिकार यात्रा के बहाने राहुल गांधी घुसपैठियों का बचाव कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के खिलाफ अफवाह फैलाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अब राहुल गांधी को आईना दिखा दिया है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करना कांग्रेस की परंपरा रही है और एसआईआर विरोध उसी का हिस्सा है। दरअसल, भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन सोमवार को जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज में एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। शाहनवाज हुसैन ने इस दौरान लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि संविधान की दुहाई देने वाले लालू यादव अपने जन्मदिन पर बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर का अपमान करते हैं और उनके बेटे तेजस्वी यादव शहाबुद्दीन जैसे अपराधी के लिए अमर रहें का नारा लगाते हैं। जिस कांग्रेस ने जगजीवन बाबू को प्रधानमंत्री बनने से रोक दिया, वही आज संविधान और दलितों की बात कर रही है।

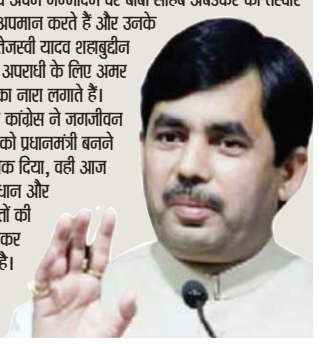

यूपी टी-20 पहले मैच में ही हारी लखनऊ

» काशी ने गोरखपुर को छकाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी टी-20 लीग के दूसरे दिन दो मुकाबले हुए। पहले मुकाबले में जहां काशी ने गोरखपुर को हराया। वहीं दूसरे मैच में मेजबान लखनऊ को नोएडा के हाथों हारना पड़ा। शाम के समय इकाना स्टेडियम में खेले गए दूसरे मैच में लखनऊ फाल्कन को नोएडा सुपरकिंग्स से दो विकेट जीत से चूक झेलनी पड़ी। पहले खेलते हुए लखनऊ फाल्कन ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 165 रन बनाए। जवाब उतरीह नोएडा ने 19.5 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 168 रन बना मैच को अपने पक्ष में कर लिया। लखनऊ की प्रियम ने 71,समीर-24 विप्रज ने 21 रन बनाए। नमन ने 4 विकेट लिए। नोएडा की ओर से प्रशांत-48, करन- 33 व अनिवेश ने 33 रन जोड़े। पर्व, भुवनेश्वर व विप्रज ने 2-2 विकेट झटके।

उधर भारत के भुला दिए गए स्टार शिवम मावी ने यूपी ट्वेंटी-20 सीज़न के दूसरे मैच में गोरखपुर लायंस के खिलाफ सिर्फ़ छक्कों की बरसात कर दी। लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में काशी रुद्रों के लिए आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए,

नोएडा सुपरकिंग्स ने दी लखनऊ फाल्कन को दो विकेट से मात

इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने सिर्फ़ छक्कों की बरसात कर दी और सिर्फ़ छक्कों की बरसात कर 0 रन बनाए। पांच ओवरों में मुश्किल से क्रीज़ पर पहुँचे शिवम मावी की तूफानी पारी ने काशी रुद्रों को उनकी पारी के अंत में एक यादगार छक्का जड़ दिया। गौरतलब है कि शिवम मावी उस भारतीय अंडर-1 टीम का हिस्सा थे जिसने न्यूज़ीलैंड में अंडर-1 आईसीसी विश्व कप जीता था। उन्होंने जनवरी में टीम इंडिया के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण भी किया और अगले महीने कई मैच खेले।

शिवम मावी ने की छक्कों की बरसात

गोरखपुर लायंस के गेंदबाज शिवम शर्मा की गेंद पर जम चुके यशोवर्धन सिंह के आउट होने के बाद काशी रुद्रस पांचवें ओवर में 5-5 पर खिसक गया। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए, शिवम मावी ने काशी रुद्रस के लिए शानदार बल्लेबाजी करते हुए कई शानदार पारियाँ खेलीं और शिवा सिंह के साथ मैच का निर्णायक 5-1 रन की साझेदारी भी की। पेशे से तेज़ गेंदबाज़, इस 8 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने पहले कुछ ओवरों में गोरखपुर लायंस के कप्तान अथर्वदीप नाथ और हरदीप सिंह के महत्वपूर्ण विकेट भी चटकाए, जिससे काशी रुद्रों ने यूपी ट्वेंटी0 लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए एक शानदार जीत हासिल की।

एसआईआर पर जवाब देने में विफल रहा आयोग : आदित्य ठाकरे

» शिवसेना यूबीटी बोली- फर्जी अधिकारियों वाली इस संस्था पर कैसे करें भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का समर्थन करते हुए विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देने में विफल रहा और वह बिल्कुल अनभिज्ञ प्रतीत होता है। आदित्य ठाकरे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि चुनाव निकाय को तटस्थ होना चाहिए, लेकिन उसने अपने आकाओं की ओर से दी गई 'स्क्रिप्ट' पढ़ी।

उन्होंने लिखा, धोखेबाज आयोग ने आज अपनी प्रेस वार्ता से यह साबित कर दिया कि उसे इस बारे में बिल्कुल भी पता नहीं है कि

राजनीतिक दलों और मीडिया की ओर से पूछे गए तीखे सवालों का क्या जवाब देना है। आदित्य ने सवाल किया, यही वह संस्था है, जिसने यह सुनिश्चित किया है कि भारत स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों से दूर रहे। क्या हम ऐसे फर्जी अधिकारियों वाली इस संस्था पर निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने का भरोसा कर सकते हैं? वहीं, राकांपा के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा, आयोग की 'क्या-क्या' करने की प्रवृत्ति से उस पर उठाए गए सवालों पर यकीन और अधिक बढ़ गया है। बिंदुवार जवाब देने के बजाय, आयोग गोल-गोल घुमा रहा है और यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि व्यवस्था में कुछ भी गलत नहीं है।

कांग्रेस के रास्ते पर चल पड़े हैं मोदी : राउत

संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वदेशी का समर्थन करके असली कांग्रेसी बन गए हैं, क्योंकि कांग्रेस ने ही सबसे पहले स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा दिया था। स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन में मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने पर जोर दिया और दुकानदारों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की। राउत ने कहा, नरेन्द्र मोदी द्वारा दिया गया स्वदेशी का नारा कांग्रेस का है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सबसे पहले यह नारा दिया था और यह प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का भी दृष्टिकोण था। शिवसेना (उबाठा) के नेता ने कहा, आज फिर से यह नारा देकर, मोदी गांधी और नेहरू के रास्ते पर चल पड़े हैं। वह एक असली कांग्रेसी बन गए हैं।

तमिलनाडु में गरीबों के साथ हो रहा अन्याय: शिवराज

» संसद में स्टालिन सरकार पर बरसे कृषि मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार पर केंद्र से 608 करोड़ रुपये मिलने के बावजूद प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लोगों को कथित तौर पर 5 लाख से ज्यादा घर न देने का आरोप लगाया। यह कहते हुए कि गरीब लोगों के साथ अन्याय हो रहा है।

मंत्री चौहान ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु राज्य सरकार ने लोगों को 2 लाख 15 हजार घर

नहीं दिए हैं और बजट में आवंटन के बावजूद 3 लाख 15 हज़ार घरों का निर्माण नहीं किया गया है। ग्रामीण विकास मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने 2024 में उचित घरों की ज़रूरत वाले लोगों की पहचान के लिए आवश्यक सर्वेक्षण नहीं कराया।

पूरे प्रदेश में खाद संकट से मचा किसानों में हाहाकार

योगी सरकार कालाबाजारी रोकने में रही नाकाम

» किल्लत से जूझ रहे किसान सड़कों पर उतरने को मजबूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसानों की हित की बात करने वाली योगी सरकार के राज में यूपी का अन्नदाता खाद की किल्लत की वजह मारा-मारा फिर रहा है। पूरे प्रदेश में खाद की कालाबाजारी जोरों पर है। पर सरकार की कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। आलम यह है कि कहीं-कहीं तो किसान परिवार समेत सुबह से शाम तक लाइन लगा रहें हैं और जैसे ही उसका नंबर आ रहा है तो पता चल रहा खाद खत्म हो गयी जिससे वह मायूस होकर लौट रहा है। उत्तर प्रदेश में खाद की किल्लत के पीछे मूल वजह समय पर उपलब्धता न होना और कालाबाजारी मानी जा रही है। हालत यह है कि आधारकार्ड पर खाद देने की व्यवस्था भी फेल हो गई है। सहकारी समितियां एक एकड़ के लिए एक बोरी यूरिया दे रहीं है।

इसके लिए आधार कार्ड मांगा जा रहा है। कालाबाजारी करने वाले परिवार व दोस्तों को आधार कार्ड लेकर कतार लगवा देते हैं। फिर एक ही व्यक्ति के पास पांच से 10 बोरी खाद चली जा रही है। कई स्थानों पर सचिवों द्वारा चहेतों को मनमानी तरीके से खाद देने की भी शिकायत मिली है। किसानों ने यूरिया की मांग को लेकर भिनगा- बहराइच मार्ग जाम किया। विधायक रामफेरन पांडेय ने समझा बुझाकर रास्ता खुलवाया। खाद के लिए किसानों ने साबरपुर बाजार में रास्ता जाम किया। खोड़ारे और मसकनवा में नाराजगी जताई। कहा सुबह से लाइन लगाने के बाद भी खाद नहीं मिल रही है। लहरपुर में किसानों ने तहसील परिसर में धरना दिया। नायब तहसीलदार दीनानाथ यादव को ज्ञापन दिया। समिति में यूरिया होने के बाद भी वितरण नहीं करने का आरोप लगाया। द्वारिकागंज के पीसीएफ गोदाम कटका पर सुबह से किसान लाइन लगाए रहे। करीब 400 बोरी यूरिया का वितरण किया गया। अन्य को लौटा दिया गया।

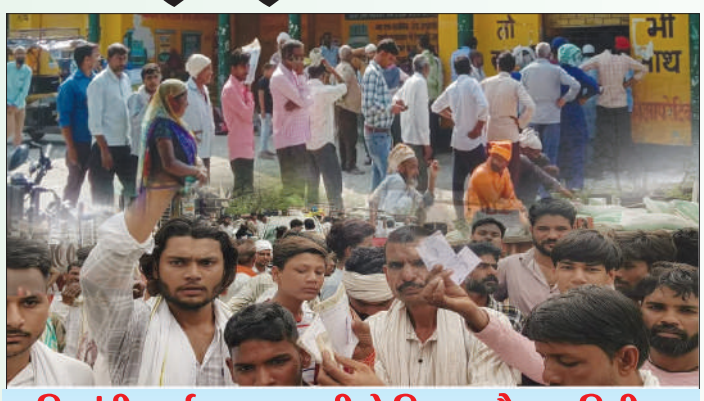

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया औचक निरीक्षण

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सिद्धार्थनगर में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करके खाद वितरण की समीक्षा की। चेतावनी दी कि यूरिया की कालाबाजारी हुई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सहकारी समिति बर्डपुर, पकड़ी नौनियां और महराजगंज की महुआवा का औचक निरीक्षण किया। किसानों से बातचीत करके खाद खरीदने का मूल्य पूछा। इसी तरह उन्होंने रानीगंज सहित कई निजी दुकानों और गोदामों का भी निरीक्षण किया। जहां वितरण व्यवस्था दुरुस्त पाई गई।

अमेरिकी टैरिफ से कारोबारियों पर मंडरा रहा संकट : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार के वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट योजना को निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि अमेरिका के टैरिफ़ की वजह से यूपी के कारोबारियों को भी नुकसान हो रहा है। लेकिन, आज व्यापारियों की कोई नहीं सुन रहा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि अमेरिका ने जब से भारतीय उत्पादों पर टैरिफ लगाया है तब से हमारे भदोही के कार्पेट से जुड़े हुए कारोबारी, मुरादाबाद में ब्रास से जुड़े कारोबारी भी संकट में आ गए हैं प्रदेश में बड़े पैमाने पर हमारा सामान अमेरिका एक्सपोर्ट होता था लेकिन, आज व्यापारियों की कौन सुन रहा है? सपा अध्यक्ष ने कहा कि इन व्यापारियों की मदद के लिए कौन आ रहा है? जिस सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के लिए इतना बड़ा बजट रखा था। हम तो दिल्ली में भी होर्डिंग देखते थे। यहां के भी प्रमुख स्थानों पर उनका प्रचार चलता था। प्रधानमंत्री जी की तस्वीर लगाकर प्रचार किया जाता था। इस समय यूपी सरकार की उस स्कीम की परीक्षा है कि भदोही, मुरादाबाद या कानपुर के कारोबार को या यूपी के अन्य प्रदेश के कारोबार है जो टैरिफ की वजह से संकट में आ गया है उसकी मदद कौन करेगा? ये बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

बिहार में एनडीए अच्छी स्थिति में नहीं : कन्हैया

» कांग्रेस नेता बोले- बीजेपी अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजनीति में इन दिनों सक्रिय कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने मंगलवार को सीएम नीतीश कुमार और बीजेपी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ लफ्जों में कहा कि बीजेपी को अकेले बहुमत नहीं मिल सकता, इसलिए वो चुनाव तक नीतीश कुमार का इस्तेमाल करेगी। कन्हैया कुमार ने कहा, पिछले चुनाव को देखें तो एनडीए की सरकार सिर्फ 12,000 वोटों के अंतर से बनी थी। हम यह नहीं कह सकते कि एनडीए अच्छी स्थिति में है। भाजपा जानती है कि उसे अकेले बहुमत नहीं मिल सकता, इसलिए उसे नीतीश कुमार की जरूरत है। भाजपा चुनाव तक नीतीश कुमार का इस्तेमाल करेगी और फिर उन्हें हटा देगी।

भाजपा बिहार में भाजपा का ही मुख्यमंत्री बनाना चाहती है। वहीं वोटर अधिकार यात्रा पर कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि आज मतदाता अधिकार यात्रा का तीसरा दिन है। यह यात्रा गया से शुरू हुई है और आगे भी जारी रहेगी, जिस तरह से लोग इस यात्रा का समर्थन कर रहे हैं इसे देखने के लिए अपने घरों से निकल रहे हैं और अपना आशीर्वाद दे रहे हैं उससे साफ़ है कि इस देश में लोकतंत्र की हत्या आसान नहीं है, क्योंकि यहां लोकतंत्र लोगों के दिलों में बसता है। बता दें कि बिहार में राहुल गांधी की यह यात्रा 16 दिनों तक चलेगी, जिसमें 20 से ज़्यादा ज़िलों से होते हुए लगभग 1300 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी।

शशिकला ने एआईडीएमके में वापसी के दिए संकेत

» जयललिता के शासन मॉडल को बहाल करने का लिया संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। पूर्व अन्नाद्रमुक नेता वीके शशिकला ने पार्टी को पुनर्जीवित करने और तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता के शासन मॉडल को बहाल करने का संकल्प लिया है। उन्होंने दावा किया है कि उनके पास ऐसा करने के लिए ज्ञान और अनुभव है। उन्होंने सक्रिय राजनीति में वापसी और अन्नाद्रमुक के पुनर्निर्माण के अपने इरादे का संकेत दिया। एआईएडीएमके की मौजूदा स्थिति पर बोलते हुए शशिकला ने कहा कि अभी तक तो यही हाल है और इसे बदलना मेरा काम है। उन्होंने जो मुश्किलें खड़ी की हैं, उन्हें कोई अनुभवी ही दूर कर सकता है। कई लोग सोचते हैं कि राजनीति में आकर सब कुछ हासिल कर सकते हैं, लेकिन राजनीति अलग है। जो ठीक से काम कर सकता है, वही कुछ हासिल कर सकता है। अम्मा का राज ज़रूर लाऊंगा। जरूर लाऊंगा, वरना मैं कुछ नहीं कहूंगी क्योंकि मुझे काम आता है। इसलिए, चाहे कितनी भी मुश्किल क्यों न हो, हम इसे वापस लाएंगे। शशिकला ने यह भी कहा कि मैं कह रही हूं कि मैं ऐसा करूंगी, जिससे वरिष्ठ नेताओं के दूसरी पार्टियों में शामिल होने की चिंताओं और पार्टी के भीतर असमंजस के बीच सक्रिय राजनीति में वापसी और अन्नाद्रमुक को मज़बूत करने के उनके इरादे का संकेत मिलता है। उन्होंने आंतरिक मुश्किलें पैदा करने के लिए मौजूदा नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया और ज़ोर देकर कहा कि पार्टी की गहरी समझ रखने वाले ही इन मुद्दों को सुलझा सकते हैं। तमिलनाडु के व्यापक राजनीतिक परिदृश्य पर बोलते हुए, शशिकला ने डीएमके के नेतृत्व वाली वर्तमान राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि इस बार लोगों को सोच-समझकर वोट देना होगा। अम्मा जयललिता तमिलनाडु को बेहतर बना रही थीं, लेकिन अब हमारे हालात बदल गए हैं। मुझे नींद नहीं आ रही है।

सीपी राधाकृष्णन को एआईएडीएमके का समर्थन: पलानीस्वामी

एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने सोमवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए उनके नामांकन पर बधाई दी और इसे तमिलनाडु के लिए गौरव का क्षण बताया। इससे पहले दिन में तिरुवन्नामलाई के अन्नामलाईयार मंदिर में पूजा-अर्चना करने वाले पलानीस्वामी ने कहा कि राधाकृष्णन का चयन राष्ट्रीय स्तर पर राज्य की मान्यता को दर्शाता है। पलानीस्वामी ने कहा कि आज हमें अच्छी खबर मिली है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने का अवसर दिया गया है। पलानीस्वामी ने आगे कहा कि मैं तमिलनाडु के सभी सांसदों से, चाहे वे किसी भी दल से जुड़े हों, अपना समर्थन देने और उनकी जीत सुनिश्चित करने की हार्दिक अपील करता हूं। यह तमिलनाडु के लिए एक सुनहरा अवसर है, क्योंकि इससे एक तमिल व्यक्ति के भारत के उपराष्ट्रपति बनने का रास्ता खुल रहा है। यह राज्य के लिए बहुत गर्व की बात है।

राहुल किसी हमले से नहीं डरते : प्रियंका

» बोलीं- जवाबदेही से बचना चाह रहा है चुनाव आयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को चुनाव आयोग को वोट चोरी के विवादास्पद मुद्दे पर सफाई देने की कड़ी चुनौती दी और चुनाव आयोग पर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी की बहादुरी की भी प्रशंसा की और कहा कि वह किसी भी हमले से विचलित नहीं होते और विचलित करने वाली परिस्थितियों के बावजूद पीछे नहीं हटेंगे। कांग्रेस सांसद ने संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा, इस वोट चोरी मुद्दे पर, उन्हें (चुनाव आयोग) जनता को सच्चाई बतानी चाहिए।

राहुल जी किसी हमले से नहीं डरते, सह लेंगे, सब कुछ और पीछे नहीं हटेंगे। क्योंकि वे राहुल जी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं, इसलिए वे हलफनामे, नेहरू जी और इंदिरा जी के बारे में बात करने लगते हैं। इससे पहले, आज, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारत के चुनाव आयोग और बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर लगे वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ संसद भवन के बाहर अपना विरोध प्रदर्शन तेज़ कर दिया। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में वोट चोरी के आरोपों और एसआईआर पर स्पष्टीकरण देने के बाद से विरोध प्रदर्शन जारी है। चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से चुनाव में धांधली के अपने दावों के सबूत के साथ एक हस्ताक्षरित हलफनामा जमा करने को भी कहा है।

एसआईआर विवाद पर कांग्रेस नेत्री ने भरी हुंकार

विधेयकों पर मंजूरी की समयसीमा पर सुप्रीम कोर्ट का सवाल

» पूछा- जब खुद राष्ट्रपति ने राय मांगी तो इसमें दिक्कत क्या है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार एक अहम बहस शुरू हुई। मामला यह है कि क्या राष्ट्रपति और राज्यपालों पर बिलों पर हस्ताक्षर करने के लिए तय समयसीमा लागू की जा सकती है या नहीं। द्रौपदी मुर्मु ने खुद संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत यह सवाल सुप्रीम कोर्ट से पूछा है।

लेकिन, विपक्ष-शासित तमिलनाडु और केरल सरकारें इस संदर्भ को ही चुनौती दे रही हैं। उनका कहना है कि यह संदर्भ असल में सरकार का है, राष्ट्रपति का नहीं, और पहले से दिए गए फैसलों को दोबारा खुलवाने की कोशिश है।

मुंबई में जारी है बारिश का कहर सड़कें डूबीं, स्कूल-कॉलेज बंद

» हिमाचल के कुल्लू में बादल फटने से दुकानें बहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई में लगातार बारिश का हालात बिगड़ने लगे हैं। मंगलवार को भी तेज बारिश जारी है। इसके कारण कई इलाकों में पानी भरा हुआ है। बिक्रोली में कल सुबह 8.30 बजे से लेकर आज सुबह 8.30 बजे तक 255 मिमी बारिश हुई। कल की तरह आज भी बीएमसी ने मुंबई में स्कूल-कॉलेज बंद रखे हैं। साथ ही कई सभी गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद रखे गए हैं।

मुंबई में बारिश के कारण 250 से ज्यादा फ्लाइट देरी से उड़ रही हैं। मुंबई में सड़कों पर 2-4 फीट तक पानी भरा है। मुंबई में अंधेरी सब-वे भी पानी भरने के कारण बंद है। राज्य में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 7 लोगों की मौत हुई है। कई लोग घायल हैं। इधर, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सोमवार रात 1 बजे बादल फटा। तेज बहाव में 3 दुकानें बह गईं। भूतनाथ के पास ब्यास नदी के उफान पर होने के कारण सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। यहां पुल भी तेज बहाव में बहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।